



वीर सावरकर पर राहुल गांधी के बयान के गहरे हैं सियासी मायने

■ बयान का गुजरात चुनाव से भी है कनेक्शन ■ कांग्रेस नेता की निगाहें तो कहीं और टिकी हैं

करीब तीन महीने पहले तमिलनाडु से भारत जोड़े यात्रा पर निकले कांग्रेस नेता राहुल गांधी पिल्लाल महाराष्ट्र में हैं। इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने वीर सावरकर पर एक विवादित बयान दिया है, जिस पर सियासत गर्म है। इस बयान को मराठी असिमिता के खिलाफ भी देखा जा रहा है। राहुल गांधी ने विरसा मुद्दा की जयंती के मौके पर भाषण दिया, जिसे देश जनजातीय गैरव दिवस के रूप में मनाता है। राहुल गांधी ने इस मौके पर विरसा मुद्दा और सावरकर के बीच तुलने का प्रस्ताव किया। एक तरफ उन्होंने विरसा मुद्दा की खूब तारीफ की, लेकिन दूसरी तरफ उन्होंने वीर सावरकर के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिये। राहुल गांधी ने कहा कि सावरकर को अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को भी धोखा दिया। अब इस बयान पर सियासी घमासान मचा दुआ है। भाजपा-कांग्रेस आमने सामने हैं। दूसरी तरफ राहुल गांधी ने यह मुद्दा इसी समय की उठाया, इसके पीछे भी कई मायने निकले जा रहे हैं। जानकार बताते हैं कि राहुल गांधी ने वीर सावरकर पर यह बयान एक सोची-समझी रणनीति के तहत दिया है। यह

अंग्रेजों के एक माफिनामा भी लिखा था। अपने बयान के संबंध में राहुल गांधी ने एक दस्तावेज भी प्रस्तुत किया था। राहुल ने कहा कि सावरकर ने अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को भी धोखा दिया। अब इस बयान पर सियासी घमासान मचा दुआ है। भाजपा-कांग्रेस आमने सामने हैं। दूसरी तरफ राहुल गांधी ने यह मुद्दा इसी समय की उठाया, इसके पीछे भी कई मायने निकले जा रहे हैं। जानकार बताते हैं कि राहुल गांधी ने वीर सावरकर पर यह बयान एक सोची-समझी रणनीति के तहत दिया है। यह

गुजरात चुनाव को लेकर दिया गया बयान माना जा रहा है। लेकिन हकीकत यही है कि राहुल का यह बयान कांग्रेस को न विगलते बन रहा है न उगलते। लेकिन राहुल को खूब पता है कि विवाद तो होगा। उनसे यह मुद्दा की यह बखूबी पता है कि गुजरात में कांग्रेस बैकफुट पर है। इसीलिए महात्मा गांधी की हत्या और संघ पर पांचवीं के साथ सावरकर को गिरफतार करने समेत सरदार वल्लभभाई पटेल की भूमिका के जरिये कांग्रेस यह मसला

एक बार फिर से जिंदा करना चाहती थी। दरअसल गुजरात के चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के अलावा आम आदमी पांटी भी मैदान में है। ऐसे में इस लड़ाई में कांग्रेस कहीं भी नजर नहीं आ रही है। इसका मुख्य बल्लेबाज तो भारत जोड़े यात्रा पर है, जिसका अभी गुजरात में पांचपांच हाँड़ हुआ है। सो सावरकर के मुद्दे के जरिये कांग्रेस दोबारा गुजरात में आग लगानी चाहती है। पता नहीं यह सलाला राहुल गांधी को किसने दी होती है, लेकिन जिसने भी दी है, नुकसान तो गहरा होने वाला है। यह बात उद्घाटन करने और शरद पवार को समझौते में आयी, सो उन्होंने राहुल के इस बयान से किनारा कर लिया है। सावरकर पर राहुल के बयान के सियासी मायने का विवेषण कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संघदाता राकेश सिंह।

आएसएस पर निशाना साधा था। विरसा मुद्दा जयंती के मौके पर राहुल गांधी आदिवासियों को सबाधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक ओर अंग्रेजों के सामने झुक नहीं और दूसरी ओर सावरकर हैं, जो अंग्रेजों से माफी मांग रहे थे। राहुल गांधी ने कहा, भगवान विरसा मुद्दा जी 24 साल की आयु में शहीद हो गये। अंग्रेजों ने उन्हें जयंती देने की कोशिश की, धर देने की कोशिश की, उन्हें खरीदने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने सब नकार दिया। उन्होंने कहा कि मुझे अपने लोगों को हक दिलवाना है। सावरकर जी को अंग्रेजों ने दो-तीन साल अंडमान में बंद कर दिया, तो उन्होंने चिढ़ी लिखनी शुरू कर दी कि हमें माफ कर दो, जो भी हमसे चाहते हो ले लो। बस मुझे जेल से निकाल दो। गरम गयी है और नया भाजपा जहां भाजपा जहां भगवान विरसा मुद्दा ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं, वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी रही शिवसेना के नेता उद्घाटन करते हैं। सावरकर को अंग्रेजों ने दो-तीन साल अंडमान में बंद कर दिया, तो उन्होंने चिढ़ी लिखनी शुरू कर दी कि हमें माफ कर दो, जो भी हमसे चाहते हो ले लो। बस मुझे जेल से निकाल दो। गरम गयी है और नया भाजपा जहां भाजपा जहां भगवान विरसा मुद्दा ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं, वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी रही शिवसेना के नेता उद्घाटन करते हैं। इसके बाद भाजपा ने परिवर्तन किया है। इसके बाद भाजपा ने दो-तीन साल अंडमान में बंद कर दिया, तो उन्होंने चिढ़ी लिखनी शुरू कर दी कि हमें माफ कर दो, जो भी हमसे चाहते हो ले लो। बस मुझे जेल से निकाल दो। गरम गयी है और नया भाजपा जहां भाजपा जहां भगवान विरसा मुद्दा ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं, वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी रही शिवसेना के नेता उद्घाटन करते हैं। इसके बाद भाजपा ने परिवर्तन किया है। इसके बाद भाजपा ने दो-तीन साल अंडमान में बंद कर दिया, तो उन्होंने चिढ़ी लिखनी शुरू कर दी कि हमें माफ कर दो, जो भी हमसे चाहते हो ले लो। बस मुझे जेल से निकाल दो। गरम गयी है और नया भाजपा जहां भाजपा जहां भगवान विरसा मुद्दा ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं, वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी रही शिवसेना के नेता उद्घाटन करते हैं। इसके बाद भाजपा ने परिवर्तन किया है। इसके बाद भाजपा ने दो-तीन साल अंडमान में बंद कर दिया, तो उन्होंने चिढ़ी लिखनी शुरू कर दी कि हमें माफ कर दो, जो भी हमसे चाहते हो ले लो। बस मुझे जेल से निकाल दो। गरम गयी है और नया भाजपा जहां भाजपा जहां भगवान विरसा मुद्दा ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं, वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी रही शिवसेना के नेता उद्घाटन करते हैं। इसके बाद भाजपा ने परिवर्तन किया है। इसके बाद भाजपा ने दो-तीन साल अंडमान में बंद कर दिया, तो उन्होंने चिढ़ी लिखनी शुरू कर दी कि हमें माफ कर दो, जो भी हमसे चाहते हो ले लो। बस मुझे जेल से निकाल दो। गरम गयी है और नया भाजपा जहां भाजपा जहां भगवान विरसा मुद्दा ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं, वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी रही शिवसेना के नेता उद्घाटन करते हैं। इसके बाद भाजपा ने परिवर्तन किया है। इसके बाद भाजपा ने दो-तीन साल अंडमान में बंद कर दिया, तो उन्होंने चिढ़ी लिखनी शुरू कर दी कि हमें माफ कर दो, जो भी हमसे चाहते हो ले लो। बस मुझे जेल से निकाल दो। गरम गयी है और नया भाजपा जहां भाजपा जहां भगवान विरसा मुद्दा ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं, वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी रही शिवसेना के नेता उद्घाटन करते हैं। इसके बाद भाजपा ने परिवर्तन किया है। इसके बाद भाजपा ने दो-तीन साल अंडमान में बंद कर दिया, तो उन्होंने चिढ़ी लिखनी शुरू कर दी कि हमें माफ कर दो, जो भी हमसे चाहते हो ले लो। बस मुझे जेल से निकाल दो। गरम गयी है और नया भाजपा जहां भाजपा जहां भगवान विरसा मुद्दा ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं, वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी रही शिवसेना के नेता उद्घाटन करते हैं। इसके बाद भाजपा ने परिवर्तन किया है। इसके बाद भाजपा ने दो-तीन साल अंडमान में बंद कर दिया, तो उन्होंने चिढ़ी लिखनी शुरू कर दी कि हमें माफ कर दो, जो भी हमसे चाहते हो ले लो। बस मुझे जेल से निकाल दो। गरम गयी है और नया भाजपा जहां भाजपा जहां भगवान विरसा मुद्दा ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं, वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी रही शिवसेना के नेता उद्घाटन करते हैं। इसके बाद भाजपा ने परिवर्तन किया है। इसके बाद भाजपा ने दो-तीन साल अंडमान में बंद कर दिया, तो उन्होंने चिढ़ी लिखनी शुरू कर दी कि हमें माफ कर दो, जो भी हमसे चाहते हो ले लो। बस मुझे जेल से निकाल दो। गरम गयी है और नया भाजपा जहां भाजपा जहां भगवान विरसा मुद्दा ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं, वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी रही शिवसेना के नेता उद्घाटन करते हैं। इसके बाद भाजपा ने परिवर्तन किया है। इसके बाद भाजपा ने दो-तीन साल अंडमान में बंद कर दिया, तो उन्होंने चिढ़ी लिखनी शुरू कर दी कि हमें माफ कर दो, जो भी हमसे चाहते हो ले लो। बस मुझे जेल से निकाल दो। गरम गयी है और नया भाजपा जहां भाजपा जहां भगवान विरसा मुद्दा ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं, वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी रही शिवसेना के नेता उद्घाटन करते हैं। इसके बाद भाजपा ने परिवर्तन किया है। इसके बाद भाजपा ने दो-तीन साल अंडमान में बंद कर दिया, तो उन्होंने चिढ़ी लिखनी शुरू कर दी कि हमें माफ कर दो, जो भी हमसे चाहते हो ले लो। बस मुझे जेल से निकाल दो। गरम गयी है और नया भाजपा जहां भाजपा जहां भगवान विरसा मुद्दा ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं, वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी रही शिवसेना के नेता उद्घाटन करते हैं। इसके बाद भाजपा ने परिवर्तन किया है। इसके बाद भाजपा ने दो-तीन साल अंडमान में बंद कर दिया, तो उन्होंने चिढ़ी लिखनी शुरू कर दी कि हमें माफ कर दो, जो भी हमसे चाहते हो ले लो। बस मुझे जेल से निकाल दो। गरम गयी है और नया भाजपा जहां भाजपा जहां भगवान विरसा मुद्दा ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला कर रहे हैं, वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की स

ट्रीट कर बाबूलाल ने हेमंत सोरेन को घेरा
अभियुक्त डहु यादव से अपनी
नजदीकी नकार नहीं सकते सीएम

आजाद सिपाही संवाददाता



रांची। विधायक दल के नेता बाबूलाल मराठी ने एक ट्रीट कर हेमंत सोरेन को घेरा है। उन्होंने कहा है कि फरार चल रहे इडी अभियुक्त डहु यादव से अपनी नजदीकी की बात नकार नहीं सकते। उन्होंने कहा है कि उनके पास एक तस्वीर है जिसमें इडी अभियुक्त पंकज मिश्रा, डहु यादव और मुख्यमंत्री एक साथ हैं। वह इसलिए लिखा गया है, क्योंकि मुख्यमंत्री इडी की जांच में यह कहकर बच निकलना चाहते हैं कि वे लुटेरों, दलालों और अपराधियों का नहीं जानते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कई और प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और पंकज तस्वीरें भी जांच एजेंसियों के हाथ का सहयोगी यादव (अभी इडी की गिरफतारी के दूर से फरार है)

आर्यू मासकॉम के समन्वयक डॉ डीके सहाय को दी गयी विदाई



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के समन्वयक डॉ डीके सहाय को शिविर को विदाई दी गयी। डॉ डीके सहाय रांची विश्वविद्यालय में ही अध्ययन का अवसर भी मिला। उन्होंने भावुक होकर हुए कहा कि गुरुवार को राज्य निवाचन आयोग, झारखण्ड द्वारा नागपालिका शेड्यूल क्षेत्र में अदिवासी आरक्षित सीटों को गैर आदिवासी जन परिषद, निर्जना हरेज (केंद्रीय परिषद), अध्यक्ष बबूल मुंडा (केंद्रीय सरना समिति), आदिवासी सेना (अजय कच्छप), अखिल भारतीय अदिवासी विकास परिषद (कुंदंशी मुंडा), अदिवासी समाज आक्रोशित है। वह शेड्यूल क्षेत्र में संघर्षी होने के बावजूद नगर पालिका/परिषद

कार्यक्रम के रूप में अपना सफल कार्यकार पूरा किया। इस अवसर पर कुलपति डॉ अंजीत सिंहोंने डॉ सहाय को शॉल ओढ़कर सम्मानित किया और कहा कि शिक्षक तो कभी सेवानिवृत होता ही नहीं। डॉ. डी. के. सहाय के विद्वान की हाँ और वह मेरा सौभाग्य रहा। उनके साथ सुखद अनुभव रहा और मैं फिले दस वर्षों से मासकॉम विभाग में हूं और वहां के सभी विद्यार्थियों से मिले सहयोग को कभी भुला नहीं पाऊंगा। इस अवसर पर कुलपति डॉ कार्यक्रम के सभागार में आयोजित किया गया। डॉ. सहाय ने मास कॉम विभाग में दस वर्षों तक समन्वयक के रूप में अपना सफल कार्यकार पूरा किया।

इस अवसर पर कुलपति डॉ अंजीत सिंहोंने डॉ सहाय को शॉल ओढ़कर सम्मानित किया और कहा कि शिक्षक तो कभी सेवानिवृत होता ही नहीं। डॉ. डी. के. सहाय के विद्वान की हाँ और वह मेरा सौभाग्य रहा। उनके साथ सुखद अनुभव रहा और मैं फिले दस वर्षों से मासकॉम विभाग में हूं और वहां के सभी विद्यार्थियों से मिले सहयोग को कभी भुला नहीं पाऊंगा। इस अवसर पर कुलपति डॉ कार्यक्रम के सभागार में आयोजित किया गया। डॉ. सहाय ने मास कॉम विभाग में दस वर्षों तक समन्वयक के रूप में अपना सफल कार्यकार पूरा किया।

साई नाथ विवि की छात्रा साक्षी प्रिया का द्वितीय छात्र संसद 2022 में चयन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखण्ड विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के समन्वयक डॉ डीके सहाय को शिविर को विदाई संसद-2022 के लिए आयोजित किया गया। बीए-एसट-बी, सेमेस्टर-5 की छात्रा साक्षी प्रिया का चयन हुआ है। चयनित छात्रा और छात्राओं में साई नाथ विश्वविद्यालय की छात्रा-साक्षी प्रिया का स्थान पूरे झारखण्ड में द्वितीय स्थान हुआ है। छात्रा 24 नवंबर को छात्र संसद में भाग लेंगी तथा अन्नाखेंद्र के जिला का प्रतिनिधि करेंगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एसपी अग्रवाल ने द्वितीय एक्सपर्ट से मुलाकात की।

रांची। रांची के चयनों से प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि छात्र संसद के माध्यम से राज्य के विधायिकों का मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ाने में हुई। इसमें रांची जिला प्लावर एसोसिएशन का गठन किया गया। नवी कमेटी में सर्वसमिति से रामदुलारा को अध्यक्ष चुना गया। वहाँ, उपाध्यक्ष निःशांत कुमार (बबूल सैनी) को चुना गया है।

रांची के चयनों के समिति ने उपस्थिति श्रोताओं को अमृत पान करवेंगे। कथा वाचक राजनीति से 7 दिनों तक राज्य के सभी धर्म प्रेमियों को श्री राम कथा सेवा समिति रांची के सामियों में किया जा रहा है। शिविर को हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन के सभागार में आयोजित प्रेस बार्ट ने यह जानकारी दी। सेट ने बताया कि प्रेम मूर्ति पूज्य संत श्री प्रेम भूषण जी महाराज के प्रम पश्चिम श्री राम कथा राजनीति जी महाराज श्री राम कथा का व्यापारी से अपनी मधुर वाणी रांची के सभी धार्मिक एवं

आदिवासी आरक्षण हटाने के विरोध में की नारेबाजी

आदिवासी संगठनों ने निर्वाचन आयोग कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आदिवासी संगठनों ने शिविर को राज्य निवाचन आयोग के कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। वह प्रदर्शन नगर पालिका चुनाव में एकल पद आदिवासी आरक्षण हटाने के विरोध में किया गया। विदित हो कि वह क्षेत्र पांचवीं अनुसूची में आता केंद्र सरकार द्वारा अभी तक इसे लेकर कानून नहीं बनाया गया है। जबकि संविधान के अनुच्छेद 243 जेडोंस के प्रावधानों के तहत केंद्र सरकार को नगर शहर क्षेत्र के लिए नगर पांचवीं उपर्युक्त अधिनियम के साथ उनके नाम जानते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कई और प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और पंकज तस्वीरें भी जांच एजेंसियों के हाथ का सहयोगी यादव (अभी इडी की गिरफतारी के दूर से फरार है)



एकल पद पर गैर आदिवासियों के लिए आरक्षण किया जा रहा है। कहा कि इस संर्दम्भ में अविलंब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सभी आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल और संगठन के लोग मिलेंगे। प्रदर्शन में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबूल मुंडा और महासंचार क्षेत्र विवाद को विरोध में किया गया। विदित हो कि इसे लेकर कानून नहीं बनाया गया। जबकि संविधान के अनुच्छेद 243 जेडोंस के प्रावधानों के तहत केंद्र सरकार को नगर शहर क्षेत्र के लिए संस्थान घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी कई और प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और पंकज तस्वीरें भी जांच एजेंसियों के हाथ का सहयोगी यादव (अभी इडी की गिरफतारी के दूर से फरार है)

एकल पद पर गैर आदिवासियों के लिए आरक्षण किया जा रहा है।

कहा कि इस संर्दम्भ में अविलंब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सभी आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल और संगठन के लोग मिलेंगे। प्रदर्शन में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबूल मुंडा और महासंचार क्षेत्र विवाद को विरोध में किया गया। विदित हो कि इसे लेकर कानून नहीं बनाया गया। जबकि संविधान के अनुच्छेद 243 जेडोंस के प्रावधानों के तहत केंद्र सरकार को नगर शहर क्षेत्र के लिए संस्थान घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी कई और प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और पंकज तस्वीरें भी जांच एजेंसियों के हाथ का सहयोगी यादव (अभी इडी की गिरफतारी के दूर से फरार है)

एकल पद पर गैर आदिवासियों के लिए आरक्षण किया जा रहा है।

कहा कि इस संर्दम्भ में अविलंब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सभी आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल और संगठन के लोग मिलेंगे। प्रदर्शन में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबूल मुंडा और महासंचार क्षेत्र विवाद को विरोध में किया गया। विदित हो कि इसे लेकर कानून नहीं बनाया गया। जबकि संविधान के अनुच्छेद 243 जेडोंस के प्रावधानों के तहत केंद्र सरकार को नगर शहर क्षेत्र के लिए संस्थान घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी कई और प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और पंकज तस्वीरें भी जांच एजेंसियों के हाथ का सहयोगी यादव (अभी इडी की गिरफतारी के दूर से फरार है)

एकल पद पर गैर आदिवासियों के लिए आरक्षण किया जा रहा है।

कहा कि इस संर्दम्भ में अविलंब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सभी आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल और संगठन के लोग मिलेंगे। प्रदर्शन में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबूल मुंडा और महासंचार क्षेत्र विवाद को विरोध में किया गया। विदित हो कि इसे लेकर कानून नहीं बनाया गया। जबकि संविधान के अनुच्छेद 243 जेडोंस के प्रावधानों के तहत केंद्र सरकार को नगर शहर क्षेत्र के लिए संस्थान घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी कई और प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और पंकज तस्वीरें भी जांच एजेंसियों के हाथ का सहयोगी यादव (अभी इडी की गिरफतारी के दूर से फरार है)

एकल पद पर गैर आदिवासियों के लिए आरक्षण किया जा रहा है।

कहा कि इस संर्दम्भ में अविलंब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सभी आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल और संगठन के लोग मिलेंगे। प्रदर्शन में केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबूल मुंडा और महासंचार क्षेत्र विवाद को विरोध में किया गया। विदित हो कि इसे लेकर कानून नहीं बनाया गया। जबकि संविधान के अनुच्छेद 243 जेडोंस के प्रावधानों के तहत केंद्र सरकार को नगर शहर क्षेत्र के लिए संस्थान घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी कई और प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और पंकज तस्वीरें भी जांच एजेंस

